

राजस्व विभाग

युद्ध जागीर

दिनांक 24 मार्च, 1982

क्रमांक 202-ज(I)-82/10295.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री धनीशम ईर्मा, ६५ श्री शांत राम, नई आबादी, बराड़ा रेलवे स्टेशन, तहसील व जिला अम्बाला को रखी, 1977 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 29 मार्च, 1982

क्रमांक 119-ज(I)-82/10999.—श्री चूनी लाल, पुत्र श्री मिर्ल, गांव झूक, तहसील व जिला महेन्द्रगढ़ की दिनांक 2 अप्रैल, 1980 को हुई मृत्यु के परिणामरक्षण हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री चूनी लाल को मुत्तिलग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे पंजाब/हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 11581-जे०-एन०-III-65/10410, दिनांक 10 दिसम्बर, 1965 तथा अधिसूचना क्रमांक 5041-आर-III-70/29505, दिनांक 8 दिसम्बर, 1970 तथा अ. स. क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मन्त्री जी गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती धून्हा के नाम खरीफ, 1980 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 188-ज(I)-82/11003.—श्री मांगे राम, पुत्र श्री इयोनाथ, गांव बड़ेसरा, तहसील व जिला मिवानी, की दिनांक 28 जून, 1981 को हुई मृत्यु के परिणामरक्षण हरियाणा के राज्यपाल, पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 4 एवं 2(ए)(1) तथा 3(1ए) के अधीन प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री मांगे राम को मुत्तिलग 300 रुपये वार्षिक की जागीर जो उसे हरियाणा सरकार की अधिसूचना क्रमांक 2543-ज-1-73/29997, दिनांक 3 अक्टूबर, 1973, तथा अधिसूचना क्रमांक 1789-ज-1-79/44040, दिनांक 30 अक्टूबर, 1979 द्वारा मन्त्री जी गई थी, अब उसकी विधवा श्रीमती दड़का के नाम रखी, 1982 से 300 रुपये वार्षिक की दर से सनद में दी गई शर्तों के अन्तर्गत प्रदान करते हैं।

क्रमांक 405-ज(I)-82/11007.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्री मंगल सिंह, पुत्र श्री करगा सिंह, गांव कोडवा खुर्द, तहसील नारायणगढ़, जिला अम्बाला को रखी, 1977 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

क्रमांक 411-ज(I)-82/11013.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उस में आज तक संशोधन किया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गए अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल, श्रीमती अजोध्या रानी, विधवा श्री रमेश चन्द, निवासी 36-ए, रामनगर, अम्बाला, जिला अम्बाला, को रखी, 1978 से खरीफ, 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी, 1980 से 300 रुपये वार्षिक कोपत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।

दिनांक 1 अप्रैल, 1982

क्रमांक 408-ज(I)-82/11798.—पूर्वी पंजाब युद्ध पुरस्कार अधिनियम, 1948 (जैसा कि उसे हरियाणा राज्य में अपनाया गया है और उसमें आज तक संशोधन दिया गया है) की धारा 2(ए)(1ए) तथा 3(1ए) के अनुसार सौंपे गये अधिकारों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल श्री इवानल सिंह मान, पुत्र श्री वहादर सिंह मान, मवान नं. 48, एलिन रोड, अम्बाला कैन्ट, जिला अम्बाला को रखी 1973 से खरीफ 1979 तक 150 रुपये वार्षिक तथा रखी 1980 से 300 रुपये वार्षिक कीमत वाली युद्ध जागीर सनद में दी गई शर्तों के अनुसार सहर्ष प्रदान करते हैं।